

रांची

शनिवार, वर्ष 10, अंक 276

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम रिजल्ट जारी झारखण्ड को मिले 342 अफसर, आर्थीष अक्षत टॉपर इंटरव्यू के लिए बुलाये गये थे 864 अभ्यर्थी, टॉप 10 में आठ पुरुष अभ्यर्थी

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। झारखण्ड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा में कुल 342 उम्मीदवार विभिन्न प्रशासनिक पदों पर चयनित किये गये हैं। आर्थीष अक्षत ने टॉप कर पहले स्थान हासिल किया है। अभ्यर्थी आयोग की अधिकारिक वेबसाइट पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

आवेदन फरवरी 2024 में लिया गया था: सिविल सेवा परीक्षा 2023 की प्रक्रिया काफी लंबी रही। 27 जनवरी 2024 को विज्ञापन निकला, 17 मार्च 2024 को प्रारंभिक परीक्षा, फिर



राज्य प्रशासनिक और पुलिस सेवा में होगी नियुक्ति

इस बार टॉप करने वाले आर्थीष अक्षत पहले स्थान पर, अभ्यर्थी कुमार दुसरे और रवि रंजन कुमार तीसरे स्थान पर रहे। इस परीक्षा के जरूरी राज्य प्रशासनिक के अलावा पुलिस, वित्त, श्रम, उत्पाद, योजना और सामाजिक सुरक्षा विभागों में कुल 342 पदों पर नियुक्ति की जायेगी। आयोग ने बताया कि चयन पूरी तरह से योग्यता और आरक्षण नियमों के अनुसार किया गया है।

मेंस की परीक्षा हुई। इसके बाद 342 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमत्रित किये थे। इनमें

झारखण्ड लोक सेवा आयोग के 207 पद और डीएससी के 35 पद शामिल थे।

प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के बाद सफल हुए 864 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। इसके बाद मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर 342 चयनित उम्मीदवारों की सूची जारी की गयी है। अब इन सफल उम्मीदवारों को प्रशिक्षण और जायेंगे। वे युवा अधिकारी आगे बाले समय में झारखण्ड के प्रशासनिक तंत्र को नवी दिशा देंगे।

भर्ती प्रक्रिया में दी गयी थी सात साल की छूट: सिविल सेवा परीक्षा 2023 की भर्ती प्रक्रिया में

- आर्थीष अक्षत
- अभ्यर्थी कुमार
- रवि रंजन कुमार
- गौतम गौरव
- श्रेत्र
- राहुल कुमार विश्वकर्मा
- रोबिन कुमार
- संदीप प्रकाश
- एवाति केशरी
- राजीव दंगन

उम्मीदवारों को आयु सीमा में सात साल की छूट भी दी गयी थी।

अनुसुचित जनजाति के लिए 88 पद, अनुसुचित जाति के लिए 31, अन्य पिछड़ा वर्ग के

धनबाद के रहनेवाले हैं टॉपर आशीष अक्षत

धनबाद (आजाद सिपाही)।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 में आशीष अक्षत ने टॉप किया है। उनका चयन डीएसपी पद के लिए हुआ है। आर्थीष अक्षत मूल रूप से धनबाद के रहने वाले हैं। उन्होंने डीनाविली स्कूल धनबाद से अपनी प्रारंभिक शिक्षण ग्रहण की।

इसके बाद उन्होंने एनआईटी जमशेदपुर से पढ़ाई की। इसके बाद वे दिल्ली चले गये। वहाँ सिविल सेवा की तैयारी

कर रहे थे। वर्तमान में भी वे दिल्ली में हैं। रिजल्ट की जानकारी मिलने के बाद उनके साथ-साथ उनके परिवार में भी खुशी का महान है।

लिए 15, पिछड़ा वर्ग के लिए 24 और अधिक रूप से कमज़ोर वर्ग के लिए 29 पद थे।

भारत-मालदीव संबंधों पर बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'हमारे लिए हमेशा दोस्ती पहले आती है'

मालदीव को 4,850 करोड़ रुपये कर्ज देगा भारत
एजेंसी



हर संकट में भारत ने मालदीव का साथ दिया

मालदीव को 4,850 करोड़ रुपये कर्ज देगा भारत की अधिकारी ने कहा कि भारत की पड़ोसी पहले नीति और मालदीव का अधिकारी ने कहा कि भारत का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने प्रधानमंत्री को मालदीव के दौरान अनुसारी जापन के तहत मालदीव का 4,850 करोड़ की लोन सहायता प्रदान की है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की वीच कर्फ समझौता जापनों के बीच कर्फ समझौता के बीच विज्ञापन किया गया। भारत ने मालदीव को आदान-प्रदान किया गया। भारत को मालदीव के दौरान हमेशा साथपक्ष आर्थिक और समृद्धि साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझाकिया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है।

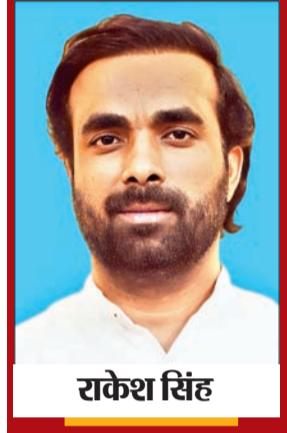
तेजस्वी की चुनाव बहिष्कार की धमकी बेमतलब

- भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव बहिष्कार का कोई नैतिक आधार नहीं
- चुनाव है सभी अपना-अपना दाव-पेंच चलते रहते हैं
- चुनाव आयोग तो अब सबसे पहला निशाना होता है

विहार में चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआइआर के खिलाफ विपक्षी महागठबंधन के विशेष के बीच अब आसन्न चुनाव के बहिष्कार की बात भी उठायी गयी है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह शिगूफ़ा छिड़ा है। उन्होंने कहा है कि वह विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के बारे में विपक्ष की दूसरी पार्टियों से बातचीत करेंगे और जनता की राय भी लेंगे। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यह भी कहा कि जब बेड़मानी से सब कुछ तय कर

रखा है कि किसको कितनी सीटें देनी हैं, तो देखा जायेगा कि क्या किया जा सकता है। उनके कहने का आशय यह था कि अगर विपक्षी पार्टियों में समर्पित बनती है और जनता का रुख सकारात्मक दिखता है, तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। तेजस्वी की बात का मतलब है

कि 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाभेहै'। इससे जाहिर होता है कि बिहार में विपक्ष को चुनाव का बहिष्कार नहीं करना है, बल्कि चुनाव के बहिष्कार की अवधारणा को ठेस पहुंचती है। क्या है चुनाव बहिष्कार के इस शिगूफ़े की परी पृष्ठभूमि और क्या है इसके विभिन्न पहलू, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगठनाता सकेश सिंह।



राकेश सिंह

बिहार में वोटर लिस्ट सुधारने के लिए हो रहे स्पेशल ईंटीसिव रिवीजन (एसआइआर) से बाबल खड़ा हो गया है। टेजस्वी यादव ने ज्यादा क्वांटिक चुनाव आयोग ने बता दिया है कि 56 लाख वोटर मिल ही नहीं रहे, यानी इकान नाम कटना तय है। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधियान का महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव और राहुल गांधी से विरोध कर रहे हैं। वे अरोप लगा रहे हैं कि बोटों की चोरी की जा रही है। तेजस्वी ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए यहाँ तक कह दिया कि अपर ऐसी ही स्थिति का बाबल करते हैं और फिर चुनाव में शामिल होते हैं। अपर जीत गये, तो कभी भी प्रक्रिया पर सबाल नहीं उठाते हैं और हार गये, तो आरोपों को दोहराने लगते हैं। इसमें चुनाव आयोग की साख और और ऐसे में सबसे बड़ा सबाल यह उठ रहा है कि अगर महागठबंधन में शामिल सभी दल चुनाव का बहिष्कार करने तक की बात कह दी। स्वाभाविक तौर पर तेजस्वी के बयान से सियासी सनसनी फैली है और और ऐसे में सबसे बड़ा सबाल यह उठ रहा है कि अगर महागठबंधन अवधारण के अपर एसोसिएट नहीं करती है, तो भी चुनाव करना आयोग की जिम्मेदारी है।

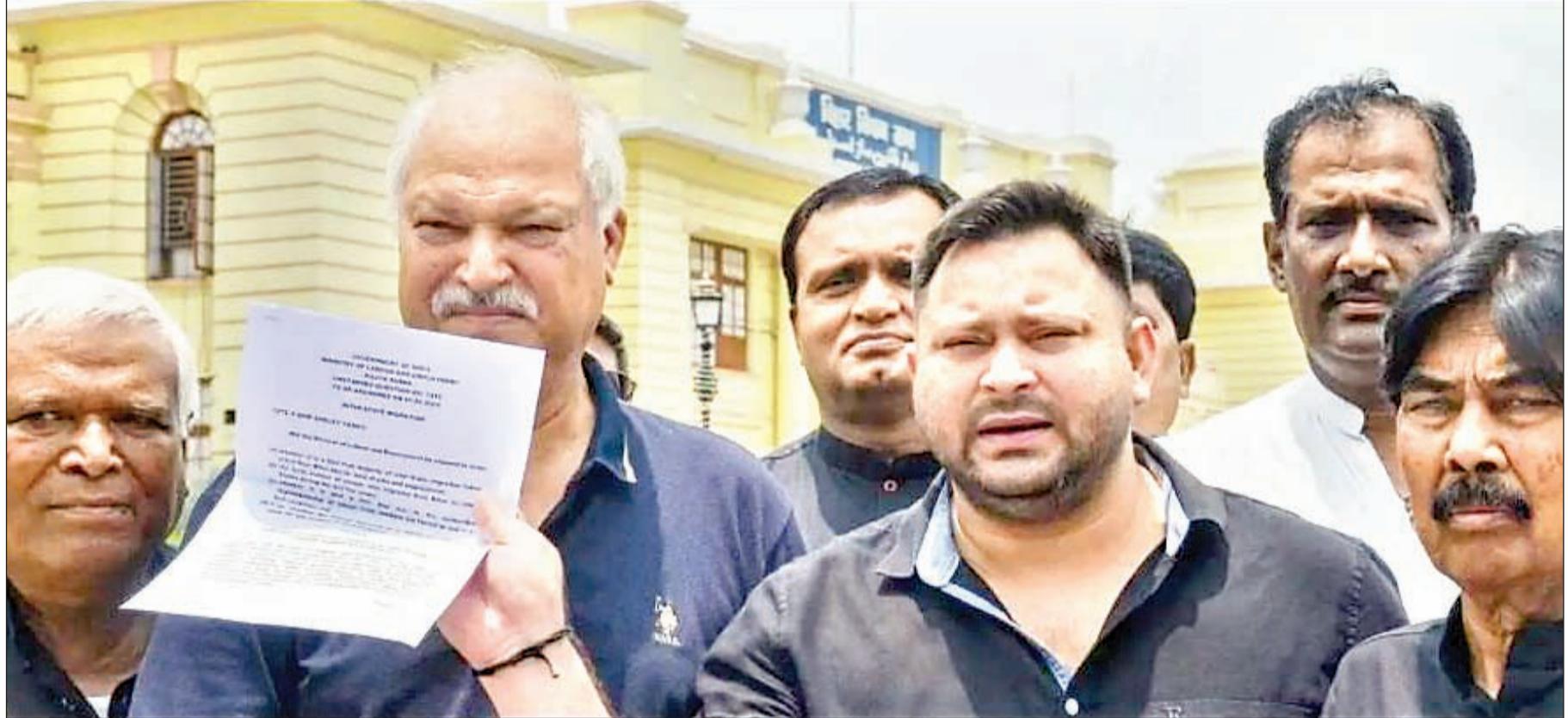
भारत में चुनाव बहिष्कार की अवधारणा नहीं

भारत में कभी भी विपक्षी पार्टियों ने चुनाव के बहिष्कार के बारे में नहीं सोचा है। वे हर चुनाव से पहले चुनाव आयोग पर अरोप लगा रहे हैं कि बोटों की चोरी की जा रही है। तेजस्वी ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए यहाँ तक कह दिया कि अपर ऐसी ही स्थिति का बाबल करते हैं और फिर चुनाव में शामिल होते हैं। अपर जीत गये, तो कभी भी प्रक्रिया पर सबाल नहीं उठाते हैं और हार गये, तो आरोपों को दोहराने लगते हैं। इसमें चुनाव आयोग की साख और और ऐसे में सबसे बड़ा सबाल यह उठ रहा है कि अगर महागठबंधन में शामिल सभी दल चुनाव का बहिष्कार करने तक की बात कह दी। स्वाभाविक तौर पर तेजस्वी के बयान से सियासी सनसनी फैली है और और ऐसे में सबसे बड़ा सबाल यह उठ रहा है कि अगर महागठबंधन नहीं करती है, तो भी चुनाव करना आयोग की जिम्मेदारी है।

विपक्षी नेताओं के स्टैंड क्या हैं

सबसे पहले बात विपक्षी

नेताओं के स्टैंड की। वास्तविकता



क्या होगा अगर विपक्ष चुनाव लड़ने से इनकार कर दे

चुनाव आयोग का काम समय पर चुनाव कराना है। भले ही उनमें कोई दल विस्सा ले या नहीं। अगर केवल सत्तारूढ़ दल चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करता है तो कोई निर्दलीय प्रत्याशी भी होता है, तो भी चुनाव करना आयोग की जिम्मेदारी है।

संविधान के तहत चुनाव रद्द करने का कोई प्रावधान नहीं है, जब तक कि कोई असाधारण परिस्थिति, जैसे हिंसा या प्राकृतिक आपदा न हो। मतलब साफ है कि अगर पूरा महागठबंधन भी चुनाव करने के संविधान में चुनाव बहिष्कार की अवधारणा मौजूद ही नहीं है।

संविधान के अपर एसोसिएट नहीं हैं। विपक्षी पार्टियों की चोरी की अपर एसोसिएट के संविधानों को सीएम ने कहा, सब पूरा धाय-खाय (शास्त्र) है। उनके काले कपड़े पहन कर सदन में आपे पर सीएम ने आपति जतायी। साथ ही विपक्षी की नेता राबड़ी देवी को भी उन्होंने निशाने पर लिया। सीएम ने विधान परिषद में कहा कि सभी विपक्षी दलों के संस्थानों ने काले कपड़े पहने हैं। पहले ये कभी नहीं पहनते थे। सीएम ने राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनके कपड़े पहन करते हैं। पहले ये कभी नहीं पहनते थे। सीएम ने कपड़े पहन करते हैं। पहले कभी एसा नहीं हुआ। पहले एक या दो दिन ही हंगामा होता था। हमने कितना काम किया है। लोगों को लाभ हो रहा है। विपक्षी विधायिकों के हांगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही महज पांच दिन ही चल पायी और स्थिरकार नंद विशेष यादव ने सदन को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सब पूरा 'धाय-खाय' है: नीतीश कुमार

विधानमंडल के दोनों सदनों में विपक्ष पर जमकर उखड़े सीएम



इससे पहले विधानसभा में भी वेल में आकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों को मुख्यमंत्री ने जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि हमने बहुत काम किया है और इसका कितना फायदा हो रहा है। उन्होंने अश्वर्य यताया कि विपक्ष कभी काम किया फायदा होता है। सीएम ने कहा, ये लोग लगातार इस सत्र में कला कपड़ा पहन कर आये हैं। पहले कभी एसा नहीं हुआ। पहले एक या दो दिन ही हंगामा होता था। हमने कितना काम किया है। लोगों को लाभ हो रहा है। विपक्षी विधायिकों के हांगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही महज पांच दिन ही चल पायी और स्थिरकार नंद विशेष यादव ने सदन को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

सुनना चाहिए, तब सुनते नहीं हैं। एक-एक बात सुनें और अपनी बात रखें। किर भी शोर-शराबा खत्त

लालू-राबड़ी-तेजस्वी को छोड़ सभी बहनों और राजद को अनफॉलो कर दिया तेज प्रताप ने

आजाद सिपाही संवाददाता पटना। पार्टी और परिवार से निकाले गये राजद सुप्रीमों के बड़े बैठे तेज प्रताप यादव अब खुद भी दल और अपने से दूरी बनाने लगे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी गाड़ी से पार्टी का झंडा हटाया था। अब तेज प्रताप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एस्स पर राजद का अधिकारिक हैंडल समेत परिवार के बाबल चुनाव करना आयोग की सीधा उदाहरण नहीं मिलता, जहां 40 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन सत्तारूढ़ दल के प्रत्याशी ही स्थिति आयी थी और सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि इसकी वजह से चुनाव पर रोक नहीं लगायी जा सकती।

यहां भी चुनाव पर रोक वाली कोई बाबल नहीं हो सकती। 1989 के मिजोरम विधानसभा चुनाव में ऐसी ही स्थिति आयी थी और सुप्रीम कोर्ट ने साफ कह दिया कि चुनाव पर रोक नहीं लगायी जा सकती।

क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे चुनाव रोक सकता है

भारत में ऐसी स्थिति का सीधा उदाहरण नहीं मिलता, जहां सभी मुख्य विपक्षी पार्टियों ने एक साथ चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया हो। लेकिन कुछ मामले में इसे अदालत में चुनावी होती दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव रद्द करने की वजह से चुनाव रद्द नहीं होता, बर्शें प्रक्रिया वैध हो। बिहार पर विकल्प फैट बैठता है। इसी तरह 1999 के जमू-कश्मीर चुनाव का कुछ विपक्षी दलों खासकर अलगाववादी समूहों ने चुनाव का बहिष्कार किया। इसके बाबजूद चुनाव हुए और नेशनल कांग्रेस ने सरकार बनायी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में नहीं गया, लेकिन यह दियाहाता है कि बहिष्कार से चुनाव रद्द नहीं होता, क्योंकि सरकार कामय हो।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध में चुनाव का बहिष्कार किया था। नतीजा कांग्रेस ने सभी 40 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन विपक्षी दलों ने बाबल में इसे अदालत में चुनावी होती दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बहिष्कार के बाबल चुनाव रद्द करने की वजह से चुनाव रद्द नहीं होता, बर्शें प्रक्रिया वैध हो। बिहार पर विकल्प फैट बैठता है। इसी तरह 1999 के जमू-कश्मीर चुनाव का कुछ विपक्षी दलों खासकर अलगाववादी समूहों ने चुनाव का बहिष्कार किया। इसके बाबजूद चुनाव हुए और नेशनल कांग्रेस ने सरकार बनायी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में नहीं गया, लेकिन यह दियाहाता है कि बहिष्कार से चुनाव रद्द नहीं होता, क्योंकि सरकार कामय ह

जेपीएससी रिजल्ट-संघर्ष और उम्मीद की जीत

धनबाद के हैं टॉपर आशीष और सेकंड टॉपर अभय कुजूर खूंटी के

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद/खूंटी। झारखंड लोक सेवा आशीष (जेपीएससी) ने बहुप्रीतिक चिवाल सेवा परीक्षा 2023 का फाइलन रिजल्ट प्रौद्योगिक युवा जानकारी दिया है। कुल 342 अभ्यर्थियों को झारखंड प्रशासनिक सेवाओं में धनबाद के आशीष अक्षत ने पूरे ग्राम में टॉप किया, जबकि खूंटी के अभय कुजूर ने दूसरा स्थान हासिल

में ऐतिहासिक है न सिर्फ इसलिए कि पूरी प्रक्रिया एक वर्ष के भीतर अपनी सफलता की कहानी साझा इसने संघर्ष और समर्पण की ऊंचाई करते हुए महेन्द्र, अमृतसन और परिवार के सहयोग को मुख्य कारक बताया। इस परीक्षा में कुल पर्याप्त वर्ष रखा गया। इस दौरान ये तमाम प्रश्नों पर पूरी हुई। अब अंतिम परीक्षा में सफल अभ्यर्थी की संख्या 342 है। जिसमें प्रारंभिक प्रश्नों पर पूरी हुई है। इस दौरान ये तमाम प्रश्नों पर पूरी हुई है। जो एक साथ आधा दर्जन भर अभ्यर्थी सफल हुए हैं। ग्राम गंगादेहर निवासी सेतोप महाते के पुरु रोबिन कुमार ने पूरे झारखंड में 10 टॉप में यां रैक लाकर डीप्सी बने और श्रेष्ठों को गैरवान किया है।

झारखंड जेपीएससी 2023 की परीक्षा में बड़कागांव प्रखंड से सात अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है। जिसमें चार डीप्सी और तीन बीडीओ पद पर काज आया। यह दिन बड़कागांव के लिए गौरव का समाप्ति रहा। इस परीक्षा में बड़कागांव का समाप्ति रहा। इस परीक्षा में बड़कागांव की संख्या 7011 है। जिसमें इंटरव्यू के लिए

आशीष अक्षत : सीमित संसाधनों से सुनहरे मुकाम तक



सुनहरे मुकाम तक

आशीष अक्षत ने कहा कि मैं धनबाद का रहने वाला हूं, मेरी पढ़ाई दिनोंवाली स्कूल से शुरू हुई। मेरे पिता झारखंड पुलिस में कार्यरत हैं। मैंने छात्रावाटी जमशेदपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और चिरिल सेवा परीक्षा में आयी का सपना देखा। यह मेरी दूसरी कोशिश थी और मैंने टॉप कर लिया। बीच में असफलताएं आईं लेकिन मैंने हार वही मानी सफलता का श्रेय मैं माना-पिता, जब भी भारी और पीछे की दोनों हैं, जिन्होंने हर वक्त मुझे सहारा दिया। आशीष ने कहा कि जेपीएससी एक परिषिक्त सिलेवस वाली परीक्षा है और अगर कोई लगातार मेहनत करे, तो सफलता निश्चित है। उन्होंने ये भी सराहा कि जेपीएससी 11वीं से लेकर 13वीं तक की परीक्षा प्रक्रिया के इतिहास में पहली बार एक साल के अंदर सभी चरण पूरे हुए और यह समयबद्ध प्रक्रिया अभ्यर्थियों के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

पिता चलाते हैं दुकान, बेटा को 22वीं रैंक



आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के बुद्धा महादेव मंदिर के सामने छोटी-सी किताबों की दुकान चलाने वाले अनिल प्रसाद के बेटे अमन कुमार ने झारखंड सिलेवस वाली परीक्षा (जेपीएससी) 2023 में 22वीं रैंक हासिल कर यह साथित कर दिया कि जज्बा हो तो सीमित साधन भी बड़ी उड़ान दे सकते हैं।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया। अमन के

पिता अनिल प्रसाद जो वर्षों से पुरानी किताबों की दुकान चलाकर घर का खर्च चलाते रहे, आज बेटे सबसे बड़ी दौलत है। अमन खुद कहते हैं कि इस राह में कई बार कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया। अमन के

किस्मत ने मेरे ही घर में एक अफसर बैदै कर दिया। ये मेरी सबसे बड़ी दौलत है। अमन खुद कहते हैं कि इस राह में कई बार कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

किस्मत ने मेरी ही घर में एक अफसर बैदै कर दिया। ये मेरी सबसे बड़ी दौलत है। अमन खुद कहते हैं कि इस राह में कई बार कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार युवक

ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने लकड़ी को कपी आंखों से ओड़ान नहीं होने दिया।

अमन की इस सफलता से उनके घर में उत्सव जैसा माहौल है। साधारण

परिवार में जन्मे इस लोनहार

हजारीबाग/कोडरमा

जेपीएससी परिणाम में हजारीबाग के अभ्यर्थियों का दबदबा जेपीएससी परीक्षा में झारखंड में रोबिन ने बढ़ाया बड़कागांव का मान



इचाक प्रखंड के तीन अभ्यर्थियों ने जेपीएससी में पायी सफलता

रोबिन कृमार का फाइल फोटो।

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। जेपीएससी परीक्षा

2023 का परीक्षा फल जारी हुआ

जिसमें भूरे झारखंड में 7वां स्थान

लाकर बड़कागांव प्रखंड के

चापदार बलिया पंचायत के

गंगादेहर निवासी किसान संघेष

कृमार एवं सुनात देवी के पुत्र

रोबिन कृमार ने सफलता हासिल

किया। और बड़कागांव सहित पूरे

हजारीबाग जिला का मान समान

बड़ाया। रोबिन की पढ़ाई अपने

पैतृक गंग गंध विद्यालय गोसाई

बलिया से शुरू किया एवं मैट्रिक

गणी हाई स्कूल बड़कागांव से

टैक्स डायर्मेंट में कार्यरत है। वह शूरू से ही मध्यवर्षीय छात्रा रही है।

मैट्रिक और इंटर में रही टॉपर निस्ट में रही श्रेया इस कामयाबी के लिए

अपने माता पिता, गुरुजन और परिवार को श्रेय दी है।

कॉलेज और कॉर्मस हजारीबाग

आईसी में 62. 6% अंक लाकर

उत्तीर्ण होने के बाद 2019 में

बीएससी कैम्पस्ट्री ऑनर्स से मध्यम

2014 में 80.8% अंक प्राप्त कर

पास किया। 2016 में इंटर मार्चम

अंक लाया।

खेत में ट्रैक्टर के पलटने से युवक की मौत

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के तिलैया डैम

ओपी क्षेत्र के गैडा गंग में शुक्रवार को ट्रैक्टर के

पलटने से युवक की मौत हो गयी। खेत में जाताई

के दोरान ट्रैक्टर पलटने से 19 वर्षीय दिंगंबर

यादव की मौत हो गयी। वहीं इस हादसे में उसके

साथ मौजूद हरेंद्र यादव गंगीर रूप से घायल हो

गए। जानकारी के अनुसार खेत में प्रवेश करते

समय पांडी तक ट्रैक्टर के पद दिलाया गया।

होकर पलट गया। दसदें में दोनों युवक गंगीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सदर अस्पताल कोडरमा

ले जाया गया। वहां डूनाज के दोरान दिंगंबर की मौत हो गई। हरेंद्र की गंभीर

स्थिति को देखते हुए उसे रोनी के रिस्म रेफर किया गया है। दिंगंबर तीन

भाइयों में सबसे छोटा था और स्नातक की पढ़ाई कर रहा था।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हार ठोली

में विज्ञान सासाह आज

दिनांक 25 जुलाई 2025

से प्रारंभ हो गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार किया आधारित विज्ञान की शिक्षा

बच्चों को दी जा रही है। विद्यालय में पढ़ने वाले भैया - बहन प्रतिदिन

विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रयोग करेंगे। आज से विज्ञान

सासाह के अंतर्गत विद्यालय के भैया - बहन विज्ञान से संबंधित नए-एन-

प्रयोग करेंगे। शुक्रवार को विद्यालय के भैया - बहन सासाह आज से प्रारंभ

हो गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया गया गौपैधोपण

बरही (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें

विद्यालय के शिक्षकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक विद्यालय

पर वाचन किया। आरतीय वैज्ञानिक नागर्जुन, चरक, सुश्रूत, अर्धमंडू

आदि पर बच्चों ने प्रयोग करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-

बहन एवं अचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे।

बड़कागांव/कोडरमा (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें

विद्यालय के शिक्षकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक विद्यालय

पर वाचन किया। आरतीय वैज्ञानिक नागर्जुन, चरक, सुश्रूत, अर्धमंडू

आदि पर बच्चों ने प्रयोग करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-

बहन एवं अचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे।

बड़कागांव/कोडरमा (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें

विद्यालय के शिक्षकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक विद्यालय

पर वाचन किया। आरतीय वैज्ञानिक नागर्जुन, चरक, सुश्रूत, अर्धमंडू

आदि पर बच्चों ने प्रयोग करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-

बहन एवं अचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे।

बड़कागांव/कोडरमा (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें

विद्यालय के शिक्षकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक विद्यालय

पर वाचन किया। आरतीय वैज्ञानिक नागर्जुन, चरक, सुश्रूत, अर्धमंडू

आदि पर बच्चों ने प्रयोग करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-

बहन एवं अचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे।

बड़कागांव/कोडरमा (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें

विद्यालय के शिक्षकों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक विद्यालय

पर वाचन किया। आरतीय वैज्ञानिक नागर्जुन, चरक, सुश्रूत, अर्धमंडू

आदि पर बच्चों ने प्रयोग करते हुए विद्यालय में पढ़ने वाले भैया-

बहन एवं अचार्य बंधु-भगिनी उपस्थित थे।

बड़कागांव/कोडरमा (आजाद सिपाही)

त्रैक्टर कोडलूआका

पंचायत के तिलैया

बस्ती में संचालित

उत्क्रमित मध्य

विद्यालय में बीते दिन

एक पेड़ मां के नाम

संपादकीय

विन विन डील

भा रत और ब्रिटेन के बीच आखिरकार प्रीट्रेड एग्रीमेंट हो ही गया, जिसका फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह समझौते की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

व्यापार बढ़ावा : भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023-24 में केवल 21,34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह बांकड़ा बहुत कहा जाता है। माना जा रहा है कि ट्रेड डील से सालाना व्यापार 34 बिलियन डॉलर तक बढ़ जायेगा। दोनों देश साल 2030 तक इसे 120 बिलियन डॉलर की ओचाइ पर पहुंचाना चाहते हैं।

संतुलन लाने में मदद : इस समझौते को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही थीं और हाल में तो जेंटेजों ने आयी। इसके पीछे एक बड़ा अमेरिका की टैरिफ नीतियां हैं। डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के डिप्पोलीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मेड इन इंडिया : भारत के लिहाजे से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99% नियंत्रण यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आयी वाली चीजों भारत में सस्ती मिल सकेंगी। डील से एक

बड़ा फायदा होगा

टेक्सटाइल्स, लेदर

और इलेक्ट्रॉनिक्स

को। इनसे

मैन्युफैक्चरिंग

को बढ़ावा मिलेगा। अभी

ग्लोबल

मैन्युफैक्चरिंग

में भारत की हिस्सेदारी

केवल 2.8%

है,

जबकि चीन की

28.8%। इसी तरह,

देश की जींडीपी में

मैन्युफैक्चरिंग

का योगदान 17% है और सरकार इसे 25%

तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा।

कृषि सेक्टर को फायदा : व्यापारिक समझौते के लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। वहां कृषि और डेंगरी प्रोडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

बात आगे बढ़े : साल 2014 के बाद से भारत ने मार्शलस, यूइ, ऑस्ट्रेलिया और इण्टर्नेशनल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। योग्य से बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। इकॉनमी के मोर्चे पर आगे वाली चुनौतियों से निपटने में ऐसी डील सहायता होती है। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील होती है, तो उसके भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर कदम बढ़ेंगे।

अभिमत आजाद सिपाही

उत्तर भारत के राज्यों में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते पारे सहित अन्य कारणों से बादलों की टैरिफ नीतियां हैं। डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के डिप्पोलीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

जंगल हो रहे पेड़ों से खाली, बढ़ रहा तबाही का मंजर

अमित कुमार

पिछले 13 वर्षों में जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की 168 घटनाएं दर्ज की गयी हैं, जो औसतन हर साल 13 बार सामने आती हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और जंगलों की कटाई इसके प्रमुख कारण हैं, जिससे पहाड़ी इलाकों में तबाही का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

उत्तर भारत के राज्यों में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जलवायु परिवर्तन, चढ़ते पारे सहित अन्य कारणों से बादलों की चाल बदल रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में भी जंगलों की लगातार कटान के चलते बादल फटने पर भारी तबाही हो रही है।

इसका पहाड़ों के साथ जमीन पर प्रभाव दिख रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार विकास की आड़ में हरियाली की लगातार कटौती और बढ़ते प्रदूषण से भविष्य में ग्रीष्म संबंधी चुनौतियां और बढ़ेंगी। ग्रीष्म विज्ञान कंट्रोल श्रीनगर के पिछले 13 वर्षों (2010 से 2022) के आंकड़ों पर नजर देखें तो जम्मू-कश्मीर में 168 अचानक बाढ़ आने की घटनाएं हुईं, यानी हर साल बादल फटने की औसतन 13 घटनाएं हो रही हैं और ये लगातार बढ़ रही हैं। इसका अधिकांश प्रभाव पहाड़ी क्षेत्रों में मानसून के दौरान चर्चाएं नहीं कर रही हैं।

इन वर्षों में किश्तवाड़, अनंतनगर, गंदरबल और डोडा जिला सबसे अधिक अचानक बाढ़ की घटनाओं से प्रभावित हुआ है, जबकि जिला जम्मू, श्रीनगर, अनंतनगर और कुरुआ भारी बारिश की श्रेणी में रहा है। इन इलाकों में 100 से 200 मिलीमीटर की श्रेणी 100 से 200 मिलीमीटर की श्रेणी में रहा है। इन इलाकों में बादल फटने की घटनाओं से राज्य प्रशासन ने अधिकारी की घटनाओं के बादल फटने की घटनाओं से अप्रभावित हुआ है, जबकि जिला जम्मू, श्रीनगर, अनंतनगर और कुरुआ भारी बारिश की श्रेणी में रहा है। इन इलाकों में 100 से 200 मिलीमीटर की श्रेणी में रहा है।

बादल फटने की घटनाओं से अप्रभावित हुआ है, जबकि जिला जम्मू, श्रीनगर, अनंतनगर और कुरुआ भारी बारिश की श्रेणी में रहा है। इन इलाकों में बादल फटने की घटनाओं से अप्रभावित हुआ है, जबकि जिला जम्मू, श्रीनगर, अनंतनगर और कुरुआ भारी बारिश की श्रेणी में रहा है।



इन वर्षों ने किश्तवाड़, अनंतनगर, गंदरबल और डोडा जिला सबसे अधिक अचानक बाढ़ की घटनाओं से प्रभावित हुआ है, जबकि जिला जम्मू, श्रीनगर, अनंतनगर और कुरुआ भारी बारिश की श्रेणी में रहा है। इन इलाकों में 100 से 200 मिलीमीटर की श्रेणी नहीं जारी है। पहाड़ी क्षेत्रों में भी जंगलों की लगातार कटान के चलते बादल फटने पर भारी तबाही दर्शायी जा रही है।

आदि होते थे, जिससे बादल फटने के दौरान ऊपर से तेज दबाव से आने वाले पानी की गति कम हो जाती थी, लेकिन अब पहाड़ों पर भी पेड़ों की लगातार कटान से बादल फटने पर पानी अपने साथ मलबा लेकर नीचे आ रहा है, जिससे तबाही का स्तर बढ़ रहा है।

एक घंटे में बरसता है कहर बनकर पानी

एक ही घंटे में आसमान से 100 मिलीमीटर पानी बरस जाता है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से लगातार बादलों की बनावट में परिवर्तन आ रहा है। पहले जंगलों में खूब पेड़, धास, झाड़ियां

बारिश हो जाती है। यह बारिश अचानक बाढ़ का रूप ले लेती है। पानी का दबाव इतना होता है कि उसके आगे आने वाली हर चीज के बहकर चली जाती है और अपने रसते में आने वाली हर चीज को तबाह कर देती है। इस स्थिति में एक कमांडें बलविंगर सिंह ने एक सीमित जगह पर हवा में भारी नमी रहती है, जिससे उसी जगह पर बादलों का फटने की ओर आने वाली है।

पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ रहा त्यक्ता

मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के मिनेशक डॉ. मुखियांवर अहमद के अनुसार बादलों के फटने की

टाटा पावर 4,000 ग्रामीण छात्रों को दे रही स्टेम और हरित ऊर्जा की शिक्षा



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। टाटा पावर का जोजोबेरा धर्मनाल पार्क अपने क्लॅब एन्ड-टेम संरचन के माध्यम से योग्यों को 20 स्कूलों के 4,000 से अधिक छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की शिक्षा से जोड़ रहा है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को ऊर्जा संरक्षण, वर्नीयता और रेवोल्टिक्स जैसे विषयों की व्याख्यारिक और अनुभव आधारित शिक्षा दी जा रही है। जल्द ही विद्यार्थियों को संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। टाटा पावर की यह पहल ग्रामीण युवाओं को विज्ञान और तकनीक से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की राह खोल रही है।

तीसरी सोमवारी पर जलाभिषेक यात्रा को ऐतिहासिक बनाने सूर्य मंदिर समिति की तैयारियां हुईं पूरी



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। सूर्य मंदिर समिति सिंदगोडा द्वारा 28 जुलाई से अधिकारी और विद्यार्थी ने जलाभिषेक यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। ये यात्रा ने इन वर्षों में आयोजित राष्ट्रीय स्टेम प्रतिय

